



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 326]  
No. 326]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 2, 1982/श्रावण 11, 1904  
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 2, 1982/SRAVANA 11, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)  
आदेश

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 1982

का. आ. 549(अ)/18-कक/आई डी आर ए/82 —भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं 65(अ)/18-कक/आई डी आर ए/78 तारीख 4 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) आंध्र प्रदेश राज्य के श्रीककुलम जिले के कोविन्तो में चीनी विनिर्माण में लगे हुए मैसर्स श्री राम शर्मा एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एकक का (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) धारा 18-कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और निजाम शूगर फैक्ट्री लिमिटेड को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के क्रमशः आदेश सं. का. आ. 901 (अ), तारीख

21 नवम्बर, 1980 और का. आ. 619 (अ), तारीख 3 अगस्त, 1981 द्वारा उक्त आदेश 3 अगस्त, 1982 तक की अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी बना रहा था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम निजाम शूगर फैक्ट्री लिमिटेड के प्रबन्ध के अधीन 3 फरवरी, 1983 तक की अवधि के लिए, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है बना रहे।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 3 फरवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रभावी बना रहेगा।

[का. सं 4(4)/78-सी यू एस 1]

पूर्व निर्देश—

का. आ. 65(अ)/18कक/आई डी आर ए/78, तारीख 4 2 78

का. आ. 901(अ), तारीख 21-11-80

का. आ. 619(अ)/18कक/आई डी आर ए/81, तारीख 3-8-81

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

## ORDER

New Delhi, the 2nd August, 1982

**S.O. 549 (E)/18AA/IDRA/82.**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No S.O. 65(E)/18AA/IDRA/78, dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the unit of Messrs. Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the industrial undertaking) was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years from the date of publication of the said Order in the Official Gazette and the Nizam Sugar Factory Limited was authorised to take over management of the said industrial undertaking.

And whereas by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 901(E), dated the 21st November, 1980 and S.O. 619 (E), dated the 3rd August, 1981, respectively, the said Order was continued for a period upto and inclusive of 3rd August, 1982;

And whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Nizam Sugar Factory Limited for a further period of six months upto and inclusive of the 3rd February, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 3rd February, 1983.

[F. No. 4(4)/78-CUSI]

## Previous references :—

S.O. 65(E)/18AA/IDRA/78 dated 4-2-78

S.O. 901(E) dated 21-11-80

S.O. 619(E)/18AA/IDRA/81 dated 3-8-81.

**का. आ. 550(अ)/18कक/आई. डी. आर. ए./82 :—** भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 958(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./80, तारीख 10 दिसम्बर, 1980 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संबिदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, समझौतों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो 4 फरवरी, 1978 के पश्चात् किए थे, हुए थे या प्रवृत्त हुए थे) जिनका आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्री काकुलम जिले के बोबिली में चीनी के विनिर्माण में लगे मैसर्स श्री राम शर्मा एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एकक या उक्त एकक का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक

पक्षकार है या जो उक्त एकक या कम्पनी को लागू हो, प्रवृत्त 3 अगस्त, 1981 तक की अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, निलम्बित रहेगा और उक्त आदेश के जारी किए जाने की तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि तक निलम्बित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 622(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./81, तारीख 4 अगस्त, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंको और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) 3 अगस्त, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जारी रखी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंको और वित्तीय संस्थाओं के प्रति प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित है) 3 फरवरी, 1982 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः मास की और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि सभी मामलों की बाबत (उनसे भिन्न जो बैंको और वित्तीय संस्थाओं के प्रति दायित्वों से संबंधित है) 3 फरवरी, 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छः मास की और अवधि के लिए बढ़ाती है ।

राज कुमार भार्गव, संयुक्त सचिव

## पूर्व निर्देश

का.आ. 958(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./80 तारीख 10-12-80

का.आ. 622(अ)/18-कक/आई. डी. आर. ए./81 तारीख 4-8-81

[फा. सं. 4(4)/78 सी. यू. एम.]

**No. S.O. 550 (E)/18FB/IDRA/82.**—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), No. S.O. 958(E)/18FB/IDRA/80, dated the 10th December, 1980 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those which have been entered into, arrived at or come into force after the 4th February, 1978), to which the unit of M/s. Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh or the Company owning the said unit is a party or which may be applicable to the said unit or company, shall remain suspended for a period upto and inclusive of the 3rd August, 1981 and all the rights, privileges,

obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of the said order shall remain suspended for the said period;

And whereas by the Order of Central Government in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 622(E)/18FB/IDRA/81, dated the 4th August, 1981 the duration of the said Order was continued upto and inclusive of 3rd August, 1982 (in respect of all matters except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions);

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) should be extended for a further period of six months upto and inclusive of 3rd February, 1983;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order in respect of all matters (except those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) for a further period of six months upto and inclusive of 3rd day of February, 1983.

[F. No. 4(4)/78-CUS]

R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.

Previous references :—

S.O. 958(E)/18FB/IDRA/80 dated 10-12-80

S.O. 622(E)/18FB/IDRA/81 dated 4-8-81

